झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

छुट गए बच्चों के टीकाकरण के लिए मिशन इंद्रधनुष का शुभारंभ

नियमित टीकाकरण को 90% से अधिक करना हमारा लक्ष्य : स्वास्थ्य मंत्री

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखण्ड के अंतर्गत, नामकोम स्थित आइ0पी0एच0 सभागार में **विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर** आज मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसका उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री रामचन्द्र चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड में अधिकतर आबादी वन और दुर्गम क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे जो टीकाकरण से वंचित रह गए हैं, वैसे बच्चों की पहचान कर टीकाकरण सुनिश्चित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मिशन इंद्रधनुष राज्य के छह जिलों–पाकुड़, साहेबगंज, गोड्डा, गिरिडीह, देवघर एवं धनबाद में चलेगा जहां के बच्चे या तो टीकाकरण से वंचित रह गए हैं या फिर उनका आंशिक टीकाकरण ही हो पाया है। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण को 90 प्रतिशत से अधिक करना हमारा लक्ष्य है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में 2 लाख 39 हजार बच्चे पूर्ण टीकाकरण से वंचित रह गए हैं, जबकि इन छह जिलों में 1 लाख 4 हजार बच्चों का आंशिक टीकाकरण हो पाया है। इस दौरान टीकाकरण से वंचित रह गए दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को बी0सी0जी0, डी0पी0टी0, पोलियो, हेपेटाइटिस बी0, पेंटावेलेंट, खसरा एवं जापानी मस्तिष्क ज्वररोधी टीके लगाये जाएंगे। साथ ही दो वर्ष से अधिक आयु के वैसे बच्चे जिन्हें कोई टीका नहीं लगे हैं, उनके माता–पिता यदि चाहें तो उन्हें भी इस दौरान टीकाकरण की सुविधा मुफ्त में दी जाएगी। इस दौरान मिशन इंद्रधनुष से जुड़े दो पोस्टर का उन्होंने विमोचन भी किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक आशीष सिंहमार ने कहा कि खाद्य पदार्थों का रखरखाव ठीक से नहीं करने से डायरिया, हैजा जैसी अन्य घातक बिमारियां हो सकती हैं। इसलिए खेतों से लेकर भोजन की थाली तक खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य एक गर्म प्रदेश है, जहां खाद्य पदार्थों के जल्दी खराब होने की आशंका अधिक रहती है। इसके लिए हमें लोगों को जागरूक करने की जरूरत है, ताकि लोग बेहतर स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित खाद्य पदार्थों के महत्व को समझ सकें। उन्होंने कहा कि नियमित प्रतिरक्षण का प्रतिशत राष्ट्रीय

औसत से अधिक है, लेकिन इसे और बेहतर करने में सहियाओं व ए0एन0एम0 की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। क्योंकि ये स्वास्थ्य विभाग की आर्मी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पोलियो उन्मूलन तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर कार्य करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा सभी सहियाओं एवं ए0एन0एम0 को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

मौके पर निदेशक प्रमुख (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ सुमंत मिश्रा ने कहा कि स्वास्थ्य के मुख्य निर्धारक में पेयजल, पोषण तथा साफ–सफाई शामिल है। खाद्य–सुरक्षा अपनाकर ही हम बेहतर स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न विभागों से सहयोग लेकर कार्य करने की जरूरत है। डॉ मिश्रा ने कहा कि मिशन इंद्रधनुष के तहत चलाये जाने वाले टीकाकरण अभियान की निगरानी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक जिले के लिए एक–एक नोडल अधिकारी बनाये गए हैं।

इस अवसर पर निदेशक प्रमुख (खाद्य सुरक्षा) डॉ प्रवीण चंद्र ने कहा कि वर्ष 2015 को खाद्य सुरक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। खाद्य पदार्थों के रखरखाव के लिए सही तापमान की जानकारी एवं साफ–सफाई का होना जरूरी है। इसलिए पूरे वर्ष खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा।

अतिथियों का स्वागत उप निदेशक डॉ अजीत प्रसाद ने किया। मंच संचालन राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज एवं धन्यवाद ज्ञापन उप निदेशक डॉ टी0 हेमरम ने किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक, उप निदेशक, अपर निदेशक, परामर्शी तथा एन0एच0एम0 के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग